Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 18, Issue No. 4, July-2021, ISSN 2230-7540

माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का व्यक्तित्व समायोजन और शैक्षिक उपलब्धि: तुलनात्मक अध्ययन

Narendra Singh Gautam[1]*, Dr. Ramavtar Singh[2]

[1] Research Scholar, Shri Krishna University, Chhatarpur M.P.

[2] Professor, Shri Krishna University, Chhatarpur M.P.

सार - यह अध्ययन तुलनात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच व्यक्तित्व, समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच जटिल संबंधों की जांच करता है। व्यक्तित्व और समायोजन के स्थापित मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित, अध्ययन माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के विविध नमूने से डेटा का विश्लेषण करने के लिए एक तुलनात्मक डिजाइन का उपयोग करता है। इस तुलनात्मक अध्ययन के निष्कर्षों में शैक्षिक प्रथाओं और हस्तक्षेपों को सूचित करने की क्षमता है। यह समझना कि व्यक्तित्व और समायोजन पैटर्न शैक्षणिक उपलब्धि से कैसे संबंधित हैं, छात्रों की समग्र भलाई और शैक्षिक सफलता को बढ़ाने के लिए लक्षित रणनीतियों के विकास में योगदान कर सकते हैं।

कीवर्ड - छात्र, व्यक्तित्व, समायोजन, शैक्षिक उपलब्धि, माध्यमिक विद्यालय

---------------------------------x---------------------------------

1. परिचय

“वैचारिक ढांचा उन क्षेत्रों की स्पष्ट अवधारणा प्रदान करता है जिनमें सार्थक संबंध मौजूद होने की संभावना है। इस प्रकार वैचारिक ढांचा अध्ययन को उचित ठहराने के लिए आपके लक्ष्यों के साथ मिलकर काम करता है। (कारगन, 2007)

कोई भी दो व्यक्ति एक जैसे नहीं होते; कुछ मिलनसार हैं जबकि कुछ आरक्षित हैं, कुछ साहसी हैं, कुछ शर्मीले हैं, कुछ शांत हैं जबकि कुछ आसानी से नाराज हो जाते हैं, कुछ प्रयोग कर रहे हैं जबकि कुछ रूढ़िवादी हैं। इसीलिए हर व्यक्ति का एक अनोखा व्यक्तित्व होता है। व्यक्तित्व से तात्पर्य किसी व्यक्ति के चरित्र में कुछ ऐसे गुणों से है जो उसे अन्य लोगों से अलग करते हैं और यही वह सब कुछ है जो एक व्यक्ति है। (मनोहरन, 2008)। यह उनकी जीवन शैली का सूचकांक है। व्यक्तित्व स्वयं के साथ-साथ दूसरों के प्रति व्यक्ति के व्यवहार की समग्रता है। इसमें व्यक्ति के में सब कुछ शामिल है - उसकी शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक मानसिक और आध्यात्मिक संरचना। (मंगल एस.के., 2008) व्यक्तित्व कोई निश्चित अवस्था नहीं बल्कि एक गतिशील समग्रता है जो पर्यावरण के साथ अंतःक्रिया के कारण लगातार बदलती रहती है। यह व्यक्तियों के आचरण, व्यवहार, गतिविधियों, गतिविधि और अन्य सभी चीजों से जाना जाता है। यह पर्यावरण के प्रति प्रतिक्रिया करने का तरीका है। व्यक्ति जिस प्रकार बाहरी वातावरण के साथ समायोजन करता है उसे व्यक्तित्व कहते हैं। (शर्मा वाई.के., 2010)

हर नए दिन के साथ नई चुनौतियाँ, नई समस्याएँ और नई उम्मीदें आती हैं क्योंकि दुनिया बदलती रहती है। अधिक परिवर्तन के साथ जिस वातावरण में हम हैं और जिन लोगों के साथ हम प्रतिदिन बातचीत करते हैं, उनमें अधिक समायोजन की आवश्यकता होती है। हम जिस तरह से समायोजन करते हैं वह हमारी उपलब्धि को परिभाषित करता है। लोगों के साथ तालमेल बिठाना एक चुनौतीपूर्ण काम है क्योंकि हर कोई अद्वितीय है और उसका अपना व्यक्तित्व है जो उन्हें दूसरे से अलग बनाता है। अच्छे व्यक्तित्व वाले लोग आमतौर पर अपने जीवन में बदलावों के साथ तालमेल बिठाने में सक्षम होते हैं। इसलिए किसी व्यक्ति को उसके परिवेश के साथ अच्छी तरह से समायोजित होने में मदद करने में उसके व्यक्तित्व की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

प्रत्येक व्यक्ति, बड़ा या छोटा, बूढ़ा या जवान, समायोजन की समस्या का सामना करता है; जो एक अवस्था है, यानी सद्भाव की वह स्थिति जिसे हम "अच्छी तरह से समायोजित" कहते हैं। (शर्मा आर. ए., 2008)। समायोजन का अर्थ व्यक्ति पर थोपे गए सामाजिक वातावरण की माँगों और दबाव के प्रति प्रतिक्रिया है। मांगें बाहरी या आंतरिक हो सकती हैं जिन पर व्यक्ति को प्रतिक्रिया देनी होती है। समायोजन न केवल किसी की अपनी जरूरतों को पूरा करता है बल्कि समाज की मांगों को भी पूरा करता है। इसलिए, समायोजन एक ऐसी स्थिति या अवस्था है जिसमें व्यक्ति को लगता है कि उसकी ज़रूरतें पूरी हो गई हैं (या होंगी) और उसका व्यवहार समाज और संस्कृति की आवश्यकताओं के अनुरूप है (मंगल एस., 2010)।

दुनिया अधिक से अधिक प्रतिस्पर्धी होती जा रही है; प्रदर्शन की गुणवत्ता व्यक्तिगत प्रगति का प्रमुख कारक बन गई है। (शीबा, 2009) किसी छात्र, शिक्षक या संस्थान ने जिस हद तक अपने शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त किया है या किसी शैक्षणिक क्षेत्र में जो वास्तविक उपलब्धि या दक्षता हासिल की है उसे शैक्षणिक उपलब्धि कहा जाता है। शैक्षणिक उपलब्धि शिक्षा का परिणाम है और इसे परिभाषित किया गया है: शैक्षणिक कार्यों में प्राप्त दक्षता के स्तर या स्कूल के विषयों में औपचारिक रूप से अर्जित ज्ञान के रूप में जिसे अक्सर परीक्षा में छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों के प्रतिशत द्वारा दर्शाया जाता है (कोहली 1975) शैक्षणिक उपलब्धि सर्वोपरि है महत्व, विशेष रूप से वर्तमान सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक संदर्भों में। स्कूल में शुरू से ही उपलब्धि पर बहुत जोर दिया जाता है; इसके अलावा शिक्षा की पूरी प्रणाली छात्र की शैक्षणिक उपलब्धि के इर्द-गिर्द घूमती है। (शीबा, 2009)। शैक्षणिक उपलब्धि को आमतौर पर परीक्षा या निरंतर मूल्यांकन द्वारा मापा जाता है, लेकिन इस बात पर कोई आम सहमति नहीं है कि इसका सबसे अच्छा परीक्षण कैसे किया जाता है या कौन से पहलू सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रियात्मक ज्ञान जैसे कौशल या घोषणात्मक ज्ञान जैसे तथ्य हैं।

2. साहित्य की समीक्षा

कुंभकर्ण (2013) द्वारा व्यक्तित्व गुणों, व्यावसायिक और कैरियर परिपक्वता पर किए गए एक सहसंबंधी अध्ययन में पाया गया कि पुरुष छात्र व्यक्तित्व कारकों (बी) बुद्धि, (सी) अहंकार शक्ति, (ई) प्रभुत्व, में महिला से काफी भिन्न थे। (I) कोमल-चित्तता, (O) अपराध-प्रवणता और (Q1) विद्रोही। छात्र भावनात्मक रूप से स्थिर, वास्तविकता का सामना करने वाले और दबाव में शांत रहने वाले पाए गए, जबकि महिला छात्र भावनाओं से प्रभावित, भावनात्मक रूप से कम स्थिर और आसानी से नाराज पाई गईं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि महिला छात्र थोड़ी अधिक बुद्धिमान, मेधावी थीं और उनकी शैक्षिक क्षमता छात्रों की तुलना में अधिक थी। वे अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में अधिक संवेदनशील, सहज और परिष्कृत थीं। छात्राएं भी पुरुष छात्रों की तुलना में अधिक आशंकित, आत्म-दोषी और अपराध-प्रवण थीं और आश्चर्यजनक रूप से छात्राएं विद्रोही पाई गईं, जो दर्शाता है कि वे नमूने में अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में अधिक प्रयोगशील, उदार और बदलाव के लिए खुली हैं।

विमलचंद्र (2013) द्वारा किए गए गुजरात के दसवीं कक्षा के छात्रों के व्यक्तित्व लक्षणों के तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि अधिकांश पुरुष और महिला किशोर व्यक्तित्व के निम्न और औसत स्कोर समूहों में आते हैं और किशोरों के व्यक्तित्व के सभी 16 कारकों में कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है। पुरुष किशोरों के साथ-साथ महिला किशोरों के संबंध में भी स्थापित किया गया था।

वानी (2014) द्वारा उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की व्यक्तित्व विशेषताओं का पता लगाने के लिए किए गए एक प्रयास से पता चला कि पुरुष उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र बाहर जाने वाले, अधिक बुद्धिमान, दृढ़, उद्यमशील, कोमल दिमाग वाले, संदिग्ध, आशंकित, प्रयोगशील, आत्मनिर्भर थे। नियंत्रित और तनावमुक्त, जबकि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की महिला छात्राएं आरक्षित, भावनात्मक रूप से स्थिर, विनम्र, शर्मीली, सख्त दिमाग वाली, भरोसेमंद, स्पष्टवादी, आत्मविश्वासी, रूढ़िवादी, समूह पर निर्भर, अनुशासनहीन और तनावग्रस्त पाई गईं। ग्रामीण उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र आरक्षित, भावनात्मक रूप से कम स्थिर, विनम्र, शांत, समीचीन, भरोसेमंद, कल्पनाशील, चतुर, आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर, अनुशासनहीन और तनावग्रस्त पाए गए, जबकि शहरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र मिलनसार, भावनात्मक रूप से स्थिर पाए गए। , मुखर, खुशमिजाज, कर्तव्यनिष्ठ, संदिग्ध, व्यावहारिक आशंकित, समूह पर निर्भर, नियंत्रित और तनावमुक्त। यह भी पाया गया है कि पुरुष और महिला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र कुछ व्यक्तित्व लक्षणों में भिन्न थे। ग्रामीण और शहरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की कुछ व्यक्तित्व विशेषताओं में भी महत्वपूर्ण अंतर था।

मीक (2016) शोध से पता चला कि समाजीकरण और संस्कृति कुछ लक्षणों के विकास और अभिव्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं। इसका मतलब यह है कि यद्यपि विभिन्न स्तर के गुणों वाले पुरुष और महिला के प्रति एक स्वभाव हो सकता है, माता-पिता, संस्कृति के प्रभाव और समाजीकरण की प्रक्रिया उनकी अभिव्यक्ति के स्तर और विशेषताओं के विकास को निर्धारित कर सकती है।

3. क्रियाविधि

जनसंख्या

किसी भी शोध कार्य में जनसंख्या एक महत्वपूर्ण पहलू है। जहाँ तक जनसंख्या को सही ढंग से परिभाषित किया गया है, चयनित नमूने के आधार पर निष्कर्ष निकालना संभव नहीं हो सकता है और नमूना चयन को स्पष्ट नहीं किया जा सकता है।

नमूना चयन

वर्तमान अध्ययन में छतरपुर और पन्ना क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालय से विशेष आवश्यकता वाले **400** बच्चों का चयन किया गया.

अनुसंधान विधि

शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान स्थिति का अनुमान लगाने के लिए सर्वेक्षण विधि का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक विद्यालयों के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के व्यक्तित्व लक्षणों का अध्ययन करना था। इसलिए शोध कार्य बड़े पैमाने पर किया जाना था। सर्वेक्षण विधि को सबसे उपयुक्त विधि माना गया और यह उपयुक्त भी है, इसलिए अन्वेषक ने वर्तमान अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया है।

डेटा संग्रहण

शिक्षकों के व्यक्तित्व का संचालन कर प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या करना। निम्नलिखित सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग कंप्यूटर सहायता से किया जाता है।

- मतलब
- मानक विचलन और टी-परीक्षण

4. डेटा विश्लेषण

पूरे समूह की व्यक्तित्व विशेषताओं का अध्ययन

वर्तमान अध्ययन में कक्षा में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के समायोजन और शैक्षिक उपलब्धि स्तर के संदर्भ में उनके व्यक्तित्व गुणों का अध्ययन किया गया था। इसलिए उन बच्चों के व्यक्तित्व लक्षणों को जानने के लिए **CPQ** परीक्षण का उपयोग किया गया। उपलब्धि स्तर तय करने के लिए प्रथम सत्र की परीक्षा में प्राप्त अंकों को ध्यान में रखा गया। फिर माध्य, मानक विचलन और क्रांतिक अनुपात का उपयोग करके दोनों परिणामों की तुलना की गई।

शून्य परिकल्पनाओं का परीक्षण

समायोजन के स्तर के अनुसार व्यक्तित्व विशेषताओं का अध्ययन

- **उच्च समायोजन स्तर और निम्न समायोजन स्तर**

H01 उच्च समायोजन स्तर और निम्न समायोजन स्तर वाले विशेष आवश्यकता वाले विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की व्यक्तित्व लक्षण सूची के औसत स्कोर के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।

तालिका 1: उच्च समायोजन स्तर और निम्न समायोजन स्तर वाले विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के व्यक्तित्व के औसत स्कोर की तुलना

तत्व	उच्च समायोजन स्तर N1 =400		निम्न समायोजन स्तर N2 =400		मानक त्रुटि	गंभीर अनुपात	महत्व
	माध्य	S.D.	माध्य	S.D.			
A	7.80	1.84	6.45	1.88	0.11	11.99	++
B	5.12	1.86	4.94	2.41	0.12	6.02	++
C	4.50	1.50	4.84	1.58	0.12	4.19	++
D	6.50	1.12	6.58	1.59	0.12	2.24	++
E	6.23	1.72	5.92	1.91	0.12	2.90	++
F	6.56	1.37	5.94	1.62	0.13	9.58	++
G	4.14	1.32	4.54	1.77	0.15	14.8	++
H	6.23	1.72	5.92	1.91	0.12	2.90	++
I	5.12	1.48	4.70	1.78	0.12	2.03	+
J	5.96	1.81	5.36	1.79	0.13	4.56	++
O	7.10	1.69	6.84	1.88	0.12	2.2	+
Q2	5.77	2.51	5.56	2.10	0.15	5.8	++
Q3	5.12	1.48	4.70	1.78	0.12	2.03	+
Q4	5.90	1.75	S	1.70	0.13	14.7	++

नोट: ns=महत्वपूर्ण नहीं, *=0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण, **=0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण

www.ignited.in

- **उच्च समायोजन स्तर और मध्यम समायोजन स्तर**

H02 उच्च समायोजन स्तर और मध्यम समायोजन स्तर वाले विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की व्यक्तित्व लक्षण सूची के औसत स्कोर के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।

तालिका 2: उच्च समायोजन स्तर और मध्यम समायोजन स्तर वाले विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के व्यक्तित्व के औसत स्कोर की तुलना

तत्व	उच्च समायोजन स्तर N1 =120		निम्न समायोजन स्तर N2 =170		मानक त्रुटि	गंभीर अनुपात	महत्व
	माध्य	S.D.	माध्य	S.D.			
A	7.80	1.84	6.5	1.76	0.22	6.03	**
B	5.12	1.86	5.8	1.56	0.21	3.27	**
C	4.50	1.50	5.1	1.89	0.20	3.01	**
D	6.50	1.12	4.8	1.78	0.17	9.97	**
E	6.23	1.72	5.4	1.86	0.21	3.91	**
F	6.56	1.37	5.8	1.85	0.19	4.02	**
G	4.14	1.32	4.89	1.65	0.17	4.29	**
H	6.23	1.72	5.65	1.54	0.20	2.95	**
I	5.12	1.48	4.98	1.75	0.19	0.74	NS
J	5.96	1.81	5.55	1.79	0.21	1.91	NS
O	7.10	1.69	5.9	1.84	0.21	5.74	**
Q2	5.77	2.51	5.87	1.99	0.28	0.36	NS
Q3	5.12	1.48	4.93	1.65	0.19	1.03	NS
Q4	5.90	1.75	5.1	1.85	0.21	3.74	**

नोट: एनएस=महत्वपूर्ण नहीं, *=0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण, **=0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण

उपरोक्त तालिका-4.2 में उच्च समायोजन स्तर एवं निम्न समायोजन स्तर वाले विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के व्यक्तित्व लक्षणों का माध्य स्कोर, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं महत्वपूर्ण अनुपात प्रस्तुत किया गया है। व्यक्तित्व लक्षणों की I, J, Q2 और Q3 विशेषताओं का मान सारणीबद्ध मान से कम पाया गया। अतः शून्य परिकल्पनाएँ Ho2.9, Ho2.10, Ho2.12, और Ho2.13 स्वीकार की जाती हैं। व्यक्तित्व लक्षणों की ए, बी, सी, डी, ई, एफ, जी, एच, ओ और क्यू4 विशेषताओं का मूल्य सारणीबद्ध मूल्य से अधिक पाया गया। तो शून्य परिकल्पनाएं Ho2.1, Ho2.2, Ho2.3, Ho2.4, Ho2.5, Ho2.6, Ho2.7, Ho2.8, Ho2.11, और Ho2.14 अस्वीकृत कर दिए जाते हैं

शैक्षिक उपलब्धि के स्तर के अनुसार व्यक्तित्व विशेषताओं का अध्ययन

शोधकर्ता ने एकत्रित आंकड़ों को वर्गीकृत किया है और नमूने में शामिल सभी बच्चों को उनकी शैक्षिक उपलब्धि स्तर के अनुसार तालिका में वर्गीकृत किया गया है जो नीचे उल्लिखित है।

- **उच्च शैक्षिक उपलब्धि और निम्न शैक्षिक उपलब्धि स्तर**

H03 उच्च और निम्न शैक्षिक उपलब्धि स्तर वाले विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के व्यक्तित्व के औसत अंकों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।

तालिका 3: उच्च समायोजन स्तर और निम्न समायोजन स्तर वाले विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के व्यक्तित्व के औसत स्कोर की तुलना

तत्व	उच्च समायोजन स्तर N1 =80		निम्न समायोजन स्तर N2 =125		मानक त्रुटि	गंभीर अनुपात	महत्व
	माध्य	S.D.	माध्य	S.D.			
A	5.62	1.86	4.56	1.26	0.24	4.48	**
B	4.58	1.45	5.24	1.89	0.23	2.82	**
C	5.1	1.75	5.47	1.87	0.26	1.44	NS
D	4.65	1.85	5.2	0.65	0.21	2.56	**
E	4.2	1.89	5.36	1.54	0.25	4.60	**
F	5.89	2.1	4.65	1.89	0.29	4.29	**
G	5.87	1.54	4.7	1.65	0.23	5.16	**
H	4.32	1.68	5.42	1.58	0.24	4.68	**
I	4.89	1.69	5.89	1.36	0.22	4.45	**
J	5.24	1.87	4.98	1.68	0.26	1.01	NS
O	5.2	1.87	4.89	1.26	0.24	1.31	NS
Q2	5.78	1.98	5.14	1.89	0.28	2.30	*
Q3	5.26	1.89	5.16	1.62	0.26	0.39	NS
Q4	4.65	1.87	5.89	1.23	0.24	5.25	**

नोट: NS= महत्वपूर्ण नहीं, *=0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण, **=0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण

उपरोक्त तालिका-4.3 में उच्च उपलब्धि स्तर तथा निम्न उपलब्धि स्तर वाले विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के व्यक्तित्व लक्षणों का माध्य प्राप्तांक, मानक विचलन, मानक त्रुटि तथा आलोचनात्मक अनुपात प्रस्तुत किया गया है। व्यक्तित्व लक्षणों की C, J, O और Q3 विशेषताओं का मान सारणीबद्ध मान से कम पाया गया।

अतः शून्य परिकल्पनाएँ Ho4.3, Ho4.10, Ho4.11, और Ho4.13 स्वीकार की जाती हैं। व्यक्तित्व लक्षणों की A, B, D, E, F, G, H, I, Q2 और O4 विशेषताओं का मान सारणीबद्ध मान से अधिक पाया गया। तो शून्य परिकल्पनाएं Ho4.1, Ho4.2, Ho4.4, o4.5, Ho4.6, Ho4.7, Ho4.8, Ho4.9, Ho4.12, और Ho4.14 अस्वीकृत कर दिए जाते हैं

लिंग के अनुसार व्यक्तित्व विशेषताओं का अध्ययन

शोधकर्ता ने एकत्रित आंकड़ों को वर्गीकृत किया है और नमूने में शामिल सभी बच्चों को लिंग के अनुसार तालिका में वर्गीकृत किया गया है जो नीचे उल्लिखित है।

- **विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं के व्यक्तित्व का अध्ययन**

H04 विशेष आवश्यकता वाले बालकों एवं बालिकाओं के व्यक्तितत्व लक्षणों के औसत अंकों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।

तालिका 4: विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं के व्यक्तित्व लक्षणों के माध्य स्कोर की तुलना

तत्व	लड़के N1 =185		लड़कियाँ N2 =215		मानक त्रुट	गंभीर अनुपात	महत्व
	माध्य	S.D.	माध्य	S.D.			
A	5.20	1.87	4.12	1.26	0.18	6.17	**
B	5.36	0.65	4.87	1.89	0.18	2.79	**
C	4.65	1.54	5.47	1.87	0.20	4.09	**
D	4.7	1.89	5.2	0.65	0.15	3.39	**
E	5.42	1.65	4.8	1.54	0.18	3.42	**
F	5.89	1.58	4.65	1.89	0.20	6.10	**
G	4.98	1.36	5.68	1.65	0.18	3.96	**
H	4.89	1.68	5.78	1.58	0.19	4.80	**
I	5.14	1.26	5.61	1.36	0.15	3.10	**
J	5.21	1.89	4.26	1.68	0.20	4.70	**
O	4.26	1.62	4.89	1.26	0.16	3.90	**
Q2	4.35	1.45	5.14	1.89	0.20	3.98	**
Q3	4.89	1.42	5.16	1.62	0.18	1.53	NS
Q4	5.46	1.35	5.89	1.23	0.15	2.94	**

नोट: NS= महत्वपूर्ण नहीं, *=0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण, **=0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण

क्षेत्रानुसार व्यक्तित्व विशेषताओं का अध्ययन

शोधकर्ता ने एकत्रित आंकड़ों को वर्गीकृत किया है और नमूने में शामिल सभी बच्चों को क्षेत्र के अनुसार तालिका में वर्गीकृत किया गया है जो नीचे उल्लिखित है।

- **विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं के व्यक्तित्व का अध्ययन**

H05 शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के व्यक्तित्व के औसत अंकों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका 5: शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के व्यक्तित्व के माध्य अंक की तुलना

तत्व	शहरी क्षेत्र N1 =270		ग्रामीण क्षेत्र N2 =130		मानक त्रुटि	गंभीर अनुपात	महत्व
	माध्य	S.D.	माध्य	S.D.			
A	5.68	1.87	4.12	1.26	0.16	9.83	**
B	5.78	0.65	4.87	1.89	0.17	5.34	**
C	5.61	1.54	5.47	1.87	0.19	0.74	NS
D	4.26	0.65	5.2	0.65	0.07	13.55	**
E	4.89	1.54	5.1	1.54	0.16	1.28	NS
F	5.89	1.89	4.62	1.89	0.20	6.29	**
G	4.98	1.65	5.45	1.65	0.18	2.67	**
H	4.89	1.58	5.6	1.58	0.17	4.21	**
I	5.68	1.36	5.56	1.36	0.15	0.83	NS
J	5.78	1.89	4.68	1.68	0.19	5.88	**
O	5.61	1.62	4.98	1.26	0.15	4.25	**
Q2	4.26	1.2	5.26	1.89	0.18	5.52	**
Q3	4.89	1.35	5.11	1.62	0.16	1.34	NS
Q4	5.46	1.56	5.78	1.23	0.14	2.23	*

नोट: NS= महत्वपूर्ण नहीं, *=0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण, **=0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण

उपरोक्त तालिका-4.5 में उच्च उपलब्धि स्तर एवं निम्न उपलब्धि स्तर वाले विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के व्यक्तित्व लक्षणों का माध्य प्राप्तांक, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं आलोचनात्मक अनुपात प्रस्तुत किया गया है। व्यक्तित्व लक्षणों की C, E, I और Q3 विशेषताओं का मान सारणीबद्ध मान से कम पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना Ho8.3, Ho8.5, Ho8.9 तथा Ho8.13 स्वीकृत है। व्यक्तित्व लक्षणों की A, B, D, F, G, H, J, O, Q2 और O4 विशेषताओं का मान सारणीबद्ध मान से अधिक पाया गया। इसलिए शून्य परिकल्पनाएं

www.ignited.in

Ho8.1, Ho8.2, Ho8.4, Ho8.6, Ho8.7, Ho8.8, Ho8.10, Ho8.11, Ho8.12 और Ho8.14 खारिज की जाती हैं।

निष्कर्ष

प्रत्येक शोध कार्य भविष्य के शोध की नई दिशाएँ निर्धारित करता है तथा पूर्ण किये गये कार्य की सीमाओं को इंगित करता है। शोध कार्य के दौरान आए अनुभवों और कठिनाइयों से बहुत सी बातें पता चलती हैं। यद्यपि ऐसे बिन्दु अधिक महत्वपूर्ण हैं परन्तु सीमा न होने के कारण इनका परीक्षण नहीं किया जा सकता। यहां शोधकर्ता ने इन्हें नोट करना उचित समझा था. वर्तमान अध्ययन कक्षा में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के समायोजन और शैक्षिक उपलब्धि के संदर्भ में उनके व्यक्तित्व गुणों का अध्ययन करने का एक विनम्र प्रयास है। यह अध्ययन कच्छ जिले के गुजराती माध्यम प्राथमिक विद्यालयों के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों तक सीमित था, इसलिए इसे पूरे ब्रह्मांड पर लागू नहीं किया जा सकता है। यदि प्रस्तुत कार्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं शिक्षा से जुड़े सभी व्यक्तियों के लिए उपयोगी हो जाये तो यह लघु प्रयास सार्थक माना जायेगा। प्रस्तुत कार्य शोधार्थी का एक छोटा सा प्रयास है अतः यदि कोई त्रुटि या अशुद्धि हो तो क्षमा करें एवं दोषमुक्त कर दें।

संदर्भ

1. अर्थशास्त्री, टी. (2015, 6 मार्च)। लड़कियां स्कूल में लड़कों से बेहतर क्यों करती हैं? www.economist.com से लिया गया

2. बसु, एस. (2012)। माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का समायोजन. अंतःविषय अध्ययन के लिए स्कॉलरली रिसर्च जर्नल, 1(3), 430-438। http://www.srjis.com/ से लिया गया

3. देविका, आर. (2014)। माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन। आई-मैनेजर जर्नल ऑन एजुकेशनल साइकोलॉजी, 18-22। http://files.eric.ed.gov से लिया गया

4. हुसैन, ए., कुमार, ए., और हुसैन, ए. (2010)। स्कूली विद्यार्थियों में समायोजन की समस्याएँ। मनोविज्ञान में हालिया अध्ययन में (पीपी. 233-242)। लक्ष्मी नगर दिल्ली: स्कॉलरली बुक के लेखक प्रेस प्रकाशक।

5. कोठारी, सी. आर., और गर्ग, जी. (2014)। अनुसंधान पद्धति पद्धतियाँ और तकनीकें (तीसरा संस्करण)। नई दिल्ली: न्यू एज इंटरनेशनल (पी) लिमिटेड प्रकाशक।

6. कौल, एल. (2010)। शैक्षिक अनुसंधान की पद्धति (चौथा संस्करण)। विकास पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड।

7. सैय्यद, आर. (2015)। किशोरों के आवास के संबंध में समायोजन। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोमेट्री एंड एजुकेशन, 46(1), 92-94। डीओआई:एसएसएन:0378-1003

8. सुवर्णा, वी.डी., और भाटा, एच.एस. (2015)। माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और व्यक्तित्व पर एक अध्ययन। मूल वैज्ञानिक पेपर. doi:10.17810/2015.27

9. सियेम, आई.एस. (2009)। भावनात्मक बुद्धिमत्ता और मेघालय के माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की चयनित व्यक्तित्व विशेषताओं से इसका संबंध। शिलांग: नॉर्थ ईस्टर्न हिल्स यूनिवर्सिटी।

10. विमलचंद्र, जे.आर. (2013)। गुजरात राज्य के दसवीं कक्षा के छात्रों के व्यक्तित्व गुणों का तुलनात्मक अध्ययन। राजस्थान: श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबरेवाला विश्वविद्यालय।

11. वानी, एम.ए. (2014, नवंबर)। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की व्यक्तित्व विशेषताएँ। दक्षिण एशियाई अकादमिक अनुसंधान जर्नल, 4(11)।

Corresponding Author

Narendra Singh Gautam*

Research Scholar, Shri Krishna University, Chhatarpur M.P.